दिनांक–20.02.2025 UG Third Semester MIC,MDC (Philosophy)

न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष और उसके प्रकार

प्रत्यक्ष के भेदों को कई प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है। एक दृष्टि से प्रत्यक्ष लौकिक या अलौकिक हो सकता है।

लौकिक प्रत्यक्ष: जब इन्द्रियों का स्पर्श वस्तु के साथ होता है तब लौकिक प्रत्यक्ष होता है। लौकिक प्रत्यक्ष दो प्रकार का है- (1) बाह्य, (2) मानस बाह्य। बाह्य प्रत्यक्ष आँख, कान, नाक, जीभ तथा त्वचा के द्वारा तथा मानस प्रत्यक्ष मानसिक अनुभूतियों के साथ मन के सम्पर्क से होता है। दूसरी दृष्टि से लौकिक प्रत्यक्ष के अन्य प्रकार हो सकते हैं– (1) निर्विकल्पक, (2) सविकल्पक, (3) प्रत्यभिज्ञा।

(1) **निर्विकल्पक प्रत्यक्ष:** निर्विकल्प प्रत्यक्ष में किसी वस्तु के केवल अस्तित्व का ज्ञान होता है। उस वस्तु के बारे में स्पष्ट ज्ञान नहीं होता कि वह क्या है? उदाहरण के द्वारा हम इसे इसप्रकार समझ सकते हैं–दिन के समय जब हम अन्धेरी कोठरी में जाते हैं तो वहाँ रक्खी हुई चीजें हमें स्पष्ट रूप से नहीं दीख पड़तीं। हमें केवल यही जान पड़ता है कि वहाँ पर कोई चीज रखी है। क्या रखी है, इसका ज्ञान हमें नहीं होता। किन्तु कुछ मिनटों के पश्चात वे चीजें स्पष्ट हो जाती हैं। इसप्रकार के अस्पष्ट प्रत्यक्ष को निर्विकल्प प्रत्यक्ष कहते हैं।

(2) **सविकल्पक प्रत्यक्ष:** किसी वस्तु का निश्चित और स्पष्ट प्रत्यक्ष सविकल्पक प्रत्यक्ष कहलाता है। सविकल्पक प्रत्यक्ष में यह स्पष्ट ज्ञान रहता है कि यह अमुक वस्तु है। हम आम देखते हैं तो हमें केवल आम के अस्तित्व का ज्ञान मात्र ही नहीं रहता वरन् हमें यह भी ज्ञान रहता है कि यह आम है, एक प्रकार का फल है, यह मीठा होता है इत्यादि। सविकल्प प्रत्यक्ष के लिए निर्विकल्प प्रत्यक्ष का होना आवश्यक है, क्योंकि जबतक किसी वस्तु के अस्तित्व का प्रत्यक्ष नहीं होता, तब तक हम कैसे कह सकते हैं कि वह वस्तु क्या है?

(3) **प्रत्यभिज्ञा:** प्रत्यभिज्ञा पहचान को कहते हैं। यदि किसी फल को खाने के समय मन में यह भाव उत्पन्न हो कि इस फल को मैंने अमुक दिन भी खाया था, तो इस ज्ञान को प्रत्यभिज्ञा कहते हैं। न्याय दार्शनिकों ने प्रत्यक्ष के जो भेद–निर्विकल्प, सविकल्प तथा प्रत्यभिज्ञा बताये हैं, उन्हें बौद्ध एवं शंकर नहीं मानते।

डॉ. श्रवण कुमार मोदी
सहायक प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग
शिवदेनी राम अयोध्या प्रसाद महाविद्यालय
बारा चकिया,पूर्वी चम्पारण
मो0–9608685335
Email Id- shrawankumarmodi1973@gmail.com